LOK SABHA

Friday, December 8, 1967/Agrahayana 17, 1889 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the clock.
[Mr. Speaker in the Chair]

OBITUARY REFERENCE

MR. SPEAKER : I have to inform the House of the sad demise of Shri M. M. Haq, who passed away at Okhla on the 4th December 1967 at the age of 61.

Shri Haq was a Member of the Third Lok Sabha during the years 1962-67.

We deeply mourn the loss of this friend and I am sure the House will join me in conveying our condolences to the bereaved family.

The House may stand in silence for a short while to express its sorrow.

The Members then stood in silence for a short while.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

NATIONALISATION OF FOREIGN TRADE

*541. SHRI YASHPAL SINGH :
SHRI VASUDEVAN NAIR :
SHRI RAM KISHAN GUPTA :
SHRI R. R. SINGH DEO:
SHRI BEDABRATA BARUA :
SHRI D. N. PATODIA :

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) whether the question of nationalisation of foreign trade has been considered by Government ; and

(b) if so, the decision taken in this regard ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI) : (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

श्री यशपाल सिंह : क्या मैं जान सकता हूं कि इस वक्त कितना व्यापार एस० टी० सी० के द्वारा होता है और कितना प्राइवेट फर्मों के द्वारा होता है ?

श्री मुहम्मद शफ़ी कुरेशी : जहां तक हमारे आयात का ताल्लुक है। सन् 1966-67 में उस का कुल टोटल 1886 करोड़ होता है। उस में गवर्नमेंट के जरिए से 1144 करोड़ आया है। निर्यात का जो कारोबार है वह बिलकुल फ्री है लेकिन एस० टी० सी० का हिस्सा उससे में 32 करोड़ तक पहुंच चुका है।

श्री यशपाल सिंह : क्या सरकार को कुछ इस बात का पता है कि प्राइवेट फर्में जो आयात करती हैं उन से आप को ज्यादा प्राफिट है या सरकार को एस० टी० सी० के द्वारा जो आयात होता है उससे उसे ज्यादा प्राफिट होता है ?

श्री मुहम्मद शफ़ी कुरेशी : आयात के बाद जो फ़ायदा होता है मुख्तलिफ़ यूनिटों में, मुख्तलिफ तरीकों से होता है और उस का इनहिसार मुख्तलिफ बातों पर होता है। उस यूनिट की एफिशिएंसी कैसी है, मैनेजमेंट कैसा है, कौस्ट आफ़ प्रोडक्शन क्या है इन तमाम चीजों का इस में दारोमदार रहता है।

श्री यशपाल सिंह : कुछ यह पता नहीं लगा कि किस से आप को ज्यादा प्राफिट होता है ? जैसा कि पिछली दफ़ा बतलाया गया था कि प्राइवेट फर्में 100 रुपया लगा कर 35 रुपया वापिस करती है और सरकार 100 रुपया लगा कर साढ़े नौ रुपया वापिस करती है। इस से कुछ ज्यादा पता नहीं लगा है कि आपको प्राइवेट फर्मों से ज्यादा प्राफिट होता है या एस० टी० सी० से ज्यादा प्राफिट होता है ?

श्री मुहम्मद शफ़ी कुरेशी : जहां तक हमारा ताल्लुक है इस वक्त तक हम ने केवल विग्स, विग्लैट्स और शूज का ही हम ने निर्यात किया है। इस देश से बाहर उस में